चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक जागरण......

दिनांक ..4.11.2020......पृष्ठ संख्या......3............कॉलम......2-5............

ऑनलाइन प्रशिक्षण सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान में किसानों को दी मिट्टी-पानी जांच के विषय में जानकारी

बाग लगाने से पहले मिट्टी-पानी की कराएं जांच

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में मिट्टी व पानी की जांच विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया। साथ ही यहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया।

डा. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते उससे उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है। इसलिए यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उर्वरकों द्वारा की जानी चाहिए।

उर्वरकों की मात्रा का निर्धारण करते समय मिट्टी की उपजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा अवशोषित किये गये पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक है।

सूक्ष्म तत्वों की कमी व दूर करने के तरीके बताए

प्रशिक्षण के दौरान डा. ऊषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से प्रयोगशाला में मिट्टी के अंदर मौजूद फास्फोरस एवं पोटाश को निकालने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। डा. रोहताश ने सूक्ष्म तत्वों की कमी और उनको दूर करने के लक्षणों के बारे में बताया। डा. डीके शर्मा ने मौजूदा समय में उपयोग होने वाली नई तकनीकों की चर्चा की। इसके अलावा विशेषज्ञों ने मिट्टी-पानी जांच के विभिन्न पहलुओं जैसे विद्युत चालकता, मिट्टी व पानी में पीएच मान आदि की जानकारी दी। साथ ही मिट्टी व पानी के जांच के आधार पर फसलों में बेहतर उत्पादन के लिए समग्र सिफारिशों को अपनाने की सलाह दी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। समापन अवसर पर वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के साथ उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श भी किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 5.11.2022.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5-7.....

'बाग लगाने से पहले मिट्टी व पानी की जांच अवश्य करवाएं किसान'

हिसार, 3 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया व यहां से हासिल ज्ञान को

■ मिट्टी-पानी जांच विषय पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से प्रयोगशाला में मिट्टी के अंदर मौजूद फास्फोरस एवं पोटाश को निकालने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के साथ प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श भी किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 4.11.2020.....पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....3-4.....

बेहतर उत्पादन के लिए बाग लगाने से पहले मिट्टी व पानी की जांच करवाएं : डॉ. सुरेंद्र सिंह

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण हुआ। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षण के समापन पर प्रशिक्षणार्थियों से अनुभवों को साझा किया। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है। इसलिए यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उर्वरकों द्वारा की जानी चाहिए। उर्वरकों की मात्रा का निर्धारण करते समय मिट्टी की उपजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा अवशोषित किए गए पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	**04.11.2020**	——	--

मिट्टी-पानी जांच विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया व यहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन चेस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है। इसलिए यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उर्वरकों द्वारा की जानी चाहिए। उर्वरकों की मात्रा का निर्धारण करते समय मिट्टी की उपजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा अवशोषित किये गये पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	**04.11.2020**	——	--

बाग लगाने से पहले मिट्टी व पानी की जांच करवाएं किसान

● हकृवि में मिट्टी-पानी जांच विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

हिसार, 3 नवंबर (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया व यहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है। इसलिए यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उर्वरकों द्वारा की जानी चाहिए। उर्वरकों की मात्रा का निर्धारण करते समय मिट्टी की उपजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा अवशोषित किये गये पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक है।

ऑनलाइन माध्यम से आयोजित प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को संबोधित करते वैज्ञानिक एवं मौजूद प्रतिभागी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**04.11.2020**	——	--

बेहतर उत्पादन के लिए बाग लगाने से पहले मिट्टी व पानी की जांच अवश्य करवाएं किसान

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया व यहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है। इसलिए यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उर्वरकों द्वारा की जानी चाहिए। उर्वरकों की मात्रा का निर्धारण करते समय मिट्टी की उपजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा अवशोषित किये गये पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक है।

ऑनलाइन माध्यम से आयोजित प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को संबोधित करते वैज्ञानिक एवं मौजूद प्रतिभागी।

सूक्ष्म तत्वों की कमी व दूर करने के तरीके बताए

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से प्रयोगशाला में मिट्टी के अंदर मौजूद फास्फोरस एवं पोटाश को निकालने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। डॉ. रोहताश ने सूक्ष्म तत्वों की कमी और उनको दूर करने के लक्षणों के बारे में बताया। डॉ. डी.के. शर्मा ने मौजूदा समय में उपयोग होने वाली नई तकनीकों की चर्चा की। इसके अलावा विशेषज्ञों ने मिट्टी-पानी जांच के विभिन्न पहलुओं जैसे विद्युत चालकता, मिट्टी व पानी में पीएच मान आदि की जानकारी दी। साथ ही मिट्टी व पानी के जांच के आधार पर फसलों में बेहतर उत्पादन के लिए समग्र सिफारिशों को अपनाने की सलाह दी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के साथ प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श भी किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**03.11.2020**	——	--

मिट्टी-पानी जांच विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया व यहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया।

इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है। इसलिए यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उर्वरकों द्वारा की जानी चाहिए। उर्वरकों की मात्रा का निर्धारण करते समय मिट्टी की उपजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा अवशोषित किये गये पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक है। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के साथ प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श भी किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**03.11.2020**	——	--

बेहतर उत्पादन के लिए बाग लगाने से पहले मिट्टी व पानी की जांच अवश्य करवाएं किसान

मिट्टी-पानी जांच विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

पांच बजे न्यूज

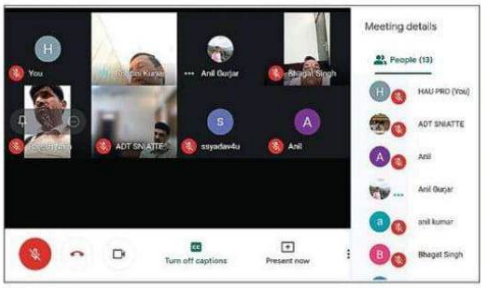

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया व यहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है। इसलिए यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उर्वरकों द्वारा की जानी चाहिए। उर्वरकों की मात्रा का निर्धारण करते समय मिट्टी की उपजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा अवशोषित किये गये पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक है।

सूक्ष्म तत्वों की कमी व दूर करने के तरीके बताए

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से प्रयोगशाला में मिट्टी के अंदर मौजूद फास्फोरस एवं पोटाश को निकालने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। डॉ. रोहताश ने सूक्ष्म तत्वों की कमी और उनको दूर करने के लक्षणों के बारे में बताया। डॉ. डी.के. शर्मा ने मौजूदा समय में उपयोग होने वाली नई तकनीकों की चर्चा की। इसके अलावा विशेषज्ञों ने मिट्टी-पानी जांच के विभिन्न पहलुओं जैसे विद्युत चालकता, मिट्टी व पानी में पीएच मान आदि की जानकारी दी। साथ ही मिट्टी व पानी के जांच के आधार पर फसलों में बेहतर उत्पादन के लिए समग्र सिफारिशों को अपनाने की सलाह दी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के साथ प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श भी किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**03.11.2020**	——	--

बेहतर उत्पादन के लिए बाग लगाने से पहले मिट्टी व पानी की अवश्य करवाएं किसान

मिट्टी-पानी जांच विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया व यहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया।

इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है।

सूक्ष्म तत्वों की कमी व दूर करने के तरीके बताए : प्रशिक्षण के दौरान डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से प्रयोगशाला में मिट्टी के अंदर मौजूद फास्फोरस एवं पोटाश को निकालने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। डॉ. रोहताश ने सूक्ष्म तत्वों की कमी और उनको दूर करने के लक्षणों के बारे में बताया। डॉ. डी.के. शर्मा ने मौजूदा समय में उपयोग होने वाली नई तकनीकों की चर्चा की। इसके अलावा विशेषज्ञों ने मिट्टी-पानी जांच के विभिन्न पहलुओं जैसे विद्युत चालकता, मिट्टी व पानी में पीएच मान आदि की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	**03.11.2020**	——	--

बाग लगाने से पहले मिट्टी व पानी की जांच अवश्य करवाएं किसान

मिट्टी-पानी जांच विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

हिसार, 3 नवम्बर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डा. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया व यहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर एस हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डा. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है। इसलिए यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उर्वरकों द्वारा की जानी चाहिए। उर्वरकों की मात्रा का निर्धारण करते समय मिट्टी की उपजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा अवशोषित किये गये पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान डा. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से प्रयोगशाला में मिट्टी के अंदर मौजूद फास्फोरस एवं पोटाश को निकालने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। मिट्टी व पानी के जांच के आधार पर फसलों में बेहतर उत्पादन के लिए समग्र सिफारिशों को अपनाने की सलाह दी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 4.11.2020 पृष्ठ संख्या 6 कॉलम 7-8

24 और 31 अक्टूबर को हुई थी परीक्षाएं

एचएयू : प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 नवंबर को आएगा

बीएससी एग्री. व मत्स्य के चार के चार वर्षीय कोर्स के लिए 6143 दी थी परीक्षा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्टूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे।

यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी। 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था।

एचएयू कैंपस के अलावा कृषि कॉलेज बावल व कौल में भी होंगे दाखिले

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 80 सीटें निर्धारित की हैं। बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए निर्धारित 50 सीटों पर दाखिले के बाद उन्हें कृषि महाविद्यालय बावल में सीटें अलॉट की जाएंगी। बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए एचएयू कैंपस में ही सीटें अलॉट की जाएंगी। बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए 105 सीटें एचएयू कैंपस, 25 सीटें कृषि महाविद्यालय बावल व 25 सीटें कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) और बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 20 सीटें एचएयू कैंपस के लिए निर्धारित की है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 4.11.2020 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 6

एचएयू की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 को होगा जारी

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्टूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने दी। बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 5875 अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी, जबकि 1867 अनुपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय बावल व कौल में भी होंगे दाखिले: परीक्षा नियंत्रक डा. एसके पाहुजा ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए निर्धारित 50 सीटों पर दाखिले के बाद उन्हें कृषि महाविद्यालय बावल में सीटें अलॉट की जाएंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पंजाब केसरी, वीर अर्जुन........

दिनांक 4.11.2020....पृष्ठ संख्या....2, 9.....कॉलम....1-2, 2-3.

एच.ए.यू. के 4 व 6 वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 को

हिसार, 3 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बी.एस.सी. एग्रीकल्चर व मत्स्य के 4 वर्षीय कोर्स और बी.एस.सी. एग्रीकल्चर के 6 वर्षीय व होम साइंस के 4 वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्तूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवम्बर को जारी किए जाएंगे। कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि गत 24 अक्तूबर को बी.एससी. एग्रीकल्चर व मत्स्य के 4 वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था।

इसी प्रकार बी.एससी. एग्रीकल्चर के 6 वर्षीय व होम साइंस के 4 वर्षीय कोर्स के लिए 31 अक्तूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।

एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 नवंबर को होगा जारी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि वश्विवधि्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्तूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे। यह जानकारी वश्विवधि्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए 24 अक्तूबर को बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 31 अक्तूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	**04.11.2020**	——	--

हकृवि के 4-6 वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 को

● **प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया**

हिसार, 3 नवंबर (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्तूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए 24 अक्तूबर को बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 31 अक्तूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।

डॉ. बी.आर. कंबोज

उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था।

बावल व कौल में भी होंगे दाखिले

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 80 सीटें निर्धारित की गई हैं। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए निर्धारित 50 सीटों पर दाखिले के बाद उन्हें कृषि महाविद्यालय बावल में सीटें अलॉट की जाएंगी। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए एचएयू कैंपस में ही सीटें अलॉट की जाएंगी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए 105 सीटें एचएयू कैंपस, 25 सीटें कृषि महाविद्यालय बावल व 25 सीटें कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) और बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 20 सीटें एचएयू कैंपस के लिए निर्धारित की गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	**04.11.2020**	——	--

प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्तूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए 24 अक्तूबर को बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 31 अक्तूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	**04.11.2020**	——	--

एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 नवंबर को होगा जारी

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्तूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे।

यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए 24 अक्तूबर को बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 31 अक्तूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।

उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज का फाइल फोटो।

एचएयू कैंपस हिसार के अलावा कृषि महाविद्यालय बावल व कौल में भी होंगे दाखिले

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 80 सीटें निर्धारित की गई हैं। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए निर्धारित 50 सीटों पर दाखिले के बाद उन्हें कृषि महाविद्यालय बावल में सीटें अलॉट की जाएंगी। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए एचएयू कैंपस में ही सीटें अलॉट की जाएंगी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए 105 सीटें एचएयू कैंपस, 25 सीटें कृषि महाविद्यालय बावल व 25 सीटें कृषि महाविद्यालय कौल(कैथल) और बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 20 सीटें एचएयू कैंपस के लिए निर्धारित की गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**03.11.2020**	——	--

एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 नवंबर को

टुडे न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्तूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे।

यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए 24 अक्तूबर को बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय

व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 31 अक्तूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था।

एचएयू कैंपस हिसार के अलावा कृषि महाविद्यालय बावल व कौल में भी होंगे दाखिले

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 80 सीटें निर्धारित की गई हैं। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए निर्धारित 50 सीटों पर दाखिले के बाद उन्हें कृषि महाविद्यालय बावल में सीटें अलॉट की जाएंगी। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए एचएयू कैंपस में ही सीटें अलॉट की जाएंगी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए 105 सीटें एचएयू कैंपस, 25 सीटें कृषि महाविद्यालय बावल व 25 सीटें कृषि महाविद्यालय कौल(कैथल) और बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 20 सीटें एचएयू कैंपस के लिए निर्धारित की गई हैं। उन्होंने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे इन कोर्सों में दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर निरंतर चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**03.11.2020**	——	--

संक्षिप्त समाचार

एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 नवंबर

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्तूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे। यह जानकारी कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि 24 अक्तूबर को बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 31 अक्तूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**03.11.2020**	——	--

एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 को

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्तूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए 24 अक्तूबर को बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 31 अक्तूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।

उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**03.11.2020**	——	--

एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 नवंबर को होगा जारी

पाठकपक्ष न्यूज, हिसार, 3 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्तूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए 24 अक्तूबर को बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 31 अक्तूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे इन कोर्सों में दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर निरंतर चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	**03.11.2020**	——	--

एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 को

हिसार, 3 नवम्बर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्तूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवम्बर को जारी किए जाएंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बी आर कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा नियंत्रक डा. एस के पाहुजा ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें, जबकि बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 80 सीटें निर्धारित की गई हैं। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए निर्धारित 50 सीटों पर दाखिले के बाद उन्हें कृषि महाविद्यालय बावल में सीटें अलॉट की जाएंगी। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए एचएयू कैंपस में ही सीटें अलॉट की जाएंगी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए 105 सीटें एचएयू कैंपस, 25 सीटें कृषि महाविद्यालय बावल व 25 सीटें कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) और बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 20 सीटें एचएयू कैंपस के लिए निर्धारित की गई हैं।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बी आर कंबोज। (छाया : राज पराशर)

Activate Windows

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय
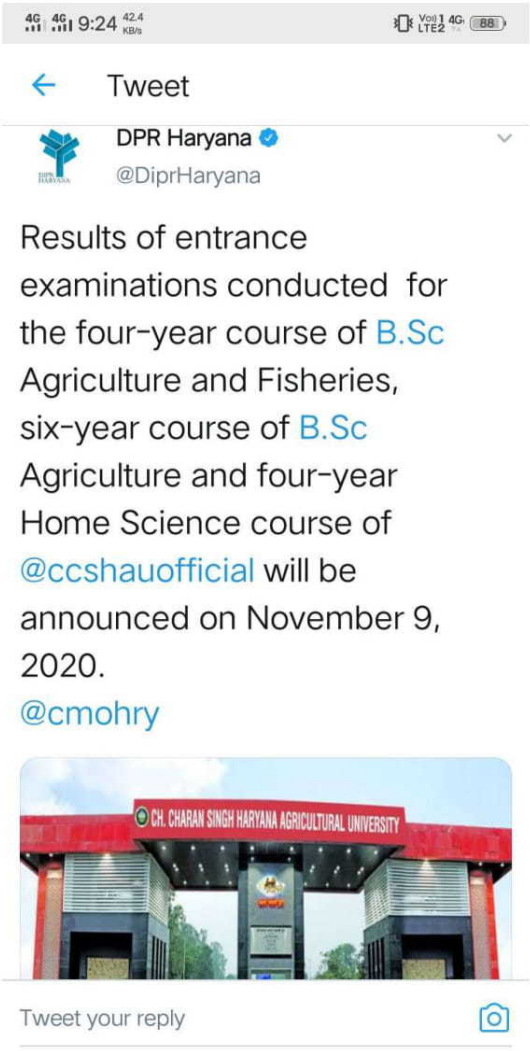
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टवीट डीपीआर हरियाणा	**03.11.2020**	——	--